रमणी-रत्न-मालाका १०वाँ रत्न।



छोटे-बड़े, एकरंगे-बहुरंगे २० चित्रोंसे सुशोभित

अपूर्व शिक्षाप्रद, पौराणिक उपाख्यान।

लेखक

पण्डित रामगोविन्द त्रिवेदी।

प्रकाशक

रामलाल वर्म्मा, प्रोप्राइटर—

"बर्म्मन प्रेस" और "आर० एल० बर्म्मन एण्ड को०,"

३७१, अपर चीतपुर रोड, कलकत्ता।

मार्गशीर्ष, सं० १९७९ वि०